हम आजाद हैं

प्रफुल्ल कोलख्यान

मिट्टी का होना
अंजुरी में एहसास है
धरती की उष्मा का

अंजुरी में भर
मिट्टी को दुलराया

अच्छा लगा
अंजुरी में महसूसना
मिट्टी को

एक ऐसे मौसम में
जब पैर के नीचे से
जमीन खिसकाने की हो
रही हो कोशिश
सकून देता है
अंजुरी में मिट्टी का होना

मिट्टी का होना
अंजुरी में एहसास है
धरती की उष्मा का

बड़ा अवसादमय होता है
महसूसना
कुछ इस तरह कि
हम आजाद हैं
और हमारी
मिट्टी बंद है
किसी और की मुट्ठी में